सत्यमेव जयते

न्यायालय
सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी—बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी —केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.:— 2025 / 169 दर्ज तिथिः—05.05.2025

1. घमण्डाराम पुत्र भखरराम
2. किशनाराम पुत्र भाखरराम
3. बाबूलाल पुत्र भाखरराम
4. बींजाराम पुत्र भाखरराम
5. भैरराम पुत्र भाखरराम
6. रूपाराम पुत्र भाखरराम
7. सुजानाराम पुत्र भाखरराम

जाति विश्नोई निवासी खीचड़ों का वास तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर

............प्रार्थी

बनाम

1. मोटाराम पुत्र धर्माराम
2. कालूराम पुत्र धर्माराम
3. बाबू पुत्र धर्माराम
4. भागीरथ पुत्र धर्माराम
5. गिरधारीराम पुत्र उदाराम
6. छोगाराम पुत्र उदाराम
7. हनुमान पुत्र छोगाराम
8. जगदीश पुत्र छोगाराम
9. रूपाराम पुत्र नरीगाराम
10. किसनाराम पुत्र नरीगाराम
11. लाधूराम पुत्र खीयाराम
12. अमलूराम पुत्र खीयाराम
13. प्रतापाराम पुत्र सोनाराम
14. हेमाराम पुत्र फगलूराम
15. ठाकराराम पुत्र हरचंदराम
16. मानाराम पुत्र धुड़ाराम
17. कालूराम पुत्र धुड़ाराम

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.07.10 11:24:16 IST
Reason: SelfAttested

जाति विश्नोई निवासी खीचड़ों का वास बाण्ड तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर

18. अमलूराम पुत्र चौथाराम
19. विरधाराम पुत्र वगताराम
20. भगवानाराम पुत्र चौथाराम
21. धन्नाराम पुत्र जोधाराम
22. विरधाराम पुत्र जोधाराम
23. भारमलराम पुत्र जोधाराम

जाति विश्नोई निवासी खडियालीनाडी बाण्ड तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर

24. टेमाराम पुत्र धीमाराम जाति जाट निवासी खडियालीनाडी बाण्ड तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर

....अप्रार्थीगण

उपस्थित अधिवक्ता
प्रार्थीः— श्री बाबूलाल विश्नोई।
अप्रार्थीगणः— एकतरफा

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128
राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956

—:निर्णयः—

निर्णय तिथिः—03.07.2025

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128 राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण की हाल आराजी खसरा संख्या 715/9/0.6475 है0, 715/2.2662 है0, 715/3/0.7365 है0, 814/1/0.2347 है0 मौजा खिचड़ों का वास पटवार हल्का बाण्ड एवं खसरा संख्या 852/1/3.7150 है0, 532/1/3.8688 है0 मौजा खडियाली नाडी पटवार हल्का बाण्ड तहसील नोखड़ा में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थीगण की कब्जेकाश्त खातेदारी की आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थीगण काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करते चले आ रहे है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थीगण की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थीगण द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार नोखड़ा के यहां प्रार्थना—पत्र पेश किया जिस पर तहसीलदार नोखड़ा के आदेश की पालना में पटवारी हल्का बाण्ड द्वारा दिनांक 25.12.2024 द्वारा मौके पर उपस्थित होकर उक्त आराजी का सीमांकन कराकर निशानदेही कराई गई। परन्तु अप्रार्थीगण पैमाईश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थीगण मुताबिक पैमाइश रिपोर्ट दिनांक 25.12.2024 के आधार पर आराजी की पत्थरगढ़ी कराना चाहते है। अंत में प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण स्वीकार

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.07.10 11:24:16 IST
Reason: SelfAttested

कर आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

2. प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। बाद तामिल अप्रार्थीगण संख्या 15 के अधिवक्ता हाजिर न्यायालय हुए। शेष अप्रार्थीगण के बावजूद विधिवत तामिल अनुपस्थित रहने से शेष अप्रार्थीगण के विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। अप्रार्थी संख्या 15 एवं अप्रार्थी संख्या 15 के अधिवक्ता के निर्धारित तिथि पर अनुपस्थित रहने से अप्रार्थी संख्या 15 के विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई।

3. न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्ता प्रार्थीगण की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थीगण अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना—पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 25.12.2024 के अनुसार पत्थरगढ़ी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है।

4. मैंने बहस प्रार्थी अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***111. Decision of disputes as to boundaries***.—*(1) In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.*
>
> *(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.*

5. राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरों की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***128. Boundary disputes.*** *- All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*
>
> ***Provided that*** *applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no*

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.07.10 11:24:16 IST
Reason: SelfAttested

dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.

6. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2075—2078 वाके ग्राम खीचड़ों का वास एवं खडियाली नाडी तहसील नोखड़ा में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड वाके ग्राम खीचड़ों का वास एवं खडियाली नाडी के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थीगण की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 25.12.2024 से भी यह तथ्य प्रार्थीगण साबित है कि प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार नोखड़ा के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। मौके पर प्रार्थीगण को सीमाचिह्न बताकर प्रार्थीगण को संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थीगण की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण अंतर्गत धारा—128 भू—राजस्व अधिनियम—1956 के बाबत् पत्थरगढ़ी किये जाने का स्वीकार किया जाता है। हाल आराजी खसरा संख्या 715/9/0.6475 है0, 715/2.2662 है0, 715/3/0.7365 है0, 814/1/0.2347 है0 मौजा खिचड़ों का वास पटवार हल्का बाण्ड एवं खसरा संख्या 852/1/3.7150 है0, 532/1/3.8688 है0 मौजा खडियाली नाडी पटवार हल्का बाण्ड तहसील नोखड़ा पर प्रार्थीगण एवं संबंधित पक्षकारों/हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर पत्थरगढ़ी किये जाने के आदेश तहसीलदार नोखड़ा को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना—अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

आदेश प्रति पालनार्थ हेतु तहसीलदार नोखड़ा को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 03.07.2025 को लिखवाया जाकर सरे—इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी (बाड़मेर)

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.07.10 11:24:16 IST
Reason: SelfAttested